Padma Shri



Dr. Raghu Rama Pillarisetti

One of the foremost Breast Surgeons of India, Dr. Raghu Rama Pillarisetti is the Director, KIMS-USHALAKSHMI Centre for Breast Diseases & CEO, Ushalakshmi Breast Cancer Foundation in Hyderabad.

2. Born on September 22, 1966, Dr. Pillarisetti obtained First place in MS (General Surgery) Postgraduate examination from Kasturba Medical College, Mangalore in 1995. He is one of the few in the world to have acquired FRCS from all four Royal Colleges in British Isles (London, Edinburgh, Glasgow, Ireland) & FACS from American College of Surgeons. He completed subspecialty training in Breast Surgery at world renowned Breast Centres in United Kingdom. The year 2002 was a deining period for Dr. Pillarisetti when his mother, Dr. Ushalakshmi was diagnosed with Breast cancer. The huge disparity in breast cancer care across India became the turning point in his life.

3. Demonstrating extraordinary leadership, Dr. Pillarisetti conceived, designed and established Indian Subcontinent's First free-standing purpose built & comprehensive Breast Health Centre (KIMS-USHALAKSHMI Centre for Breast Diseases) in-Hyderabad (2007). Having identified lack of awareness & absence of an organised Breast Cancer Screening Programme as the main reasons behind high mortality for Breast Cancer in India, he established Ushalakshmi Breast Cancer Foundation (UBF). Over the years, UBF has been working with missionary zeal at empowering women across India about the importance of 'breast awareness' through a number of innovative initiatives. With the singular aim of ensuring early detection of breast cancer & save more lives, UBF is currently implementing a large scale population based Breast Cancer Screening Programme in Telangana & Andhra Pradesh - a First of its kind initiative in India.

4. To improve standards of Breast Surgery in India, Dr. Pillarisetti played a pivotal role in establishing the Association of Breast Surgeons of India (ABSI), an Organisation that represents Surgeons from all over India treating patients with Breast Diseases. He has been unanimously elected to serve as President of ABSI (2015 - 2017). He has published several articles in Journals and contributed Chapters to Surgical Textbooks. In an endeavor to help Surgeons prepare for FRCS & MRCS examinations in India, he organised ten Overseas Courses under the auspices of Royal College of Surgeons of Edinburgh since 2000 and also convened the Intercollegiate MRCS Examinations in Hyderabad in 2008, 2010 & 2012.

5. Dr. Pillarisetti has been awarded the Visishta Ugadi Puraskar (State Award) by the Govt. of Andhra Pradesh in 2010. The Royal College of Surgeons of Edinburgh conferred him with the Overseas Gold Medal in 2013, the highest award that the Royal College bestows to Surgeons practicing outside the UK. He is the youngest ever recipient of this impressive award in the 508 years history of Royal College of Surgeons of Edinburgh.



डॉ. रघुरामा पिल्लारिसेट्टी

डॉ. रघुरामा पिल्लारिसेट्टी, भारत के अग्रणी स्तन शल्य-चिकित्सकों में से एक हैं। आप हैदराबाद में स्थित किम्स-उषालक्ष्मी ब्रेस्ट कैंसर फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

5. आपका जन्म सितम्बर 22, 1966 को हुआ। आपने वर्ष 1995 में कस्तूरबा मेडिकल कॉलिज, मंगलोर से एम एस (सामान्य शल्य-चिकित्सा) स्नातकोत्तर परीक्षा में सर्वप्रथम रहकर उत्तीर्णता प्राप्त की। आप विश्व के उन गिने-चुने व्यक्तियों में से हैं, जिन्होंने ब्रिट्रिश आइल्स के सभी चार रॉयल कॉलिजों (लंदन, एडिनबर्ग, ग्लासगो, आयरलैंड) से एफ आर सी एस तथा अमेरिकन कॉलिज ऑफ सर्जन्स से एफ ए सी एस की डिग्री प्राप्त की। आपने यूनाइटेड किंगडम में विश्व प्रसिद्ध ब्रेस्ट सेन्टरों से स्तन शल्यचिकित्सा में सब स्पेशियलिटी प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 2002 में आपके जीवन का महत्वपूर्ण क्षण तब आया जब आपकी माता डॉ. उषालक्ष्मी स्तन कैंसर से पीड़ित पाई गईं। स्तन कैंसर के निदान के क्षेत्र में पूरे भारत में व्याप्त नितांत कमी ने आपके जीवन को पूरी तरह से बदल कर रख दिया।

3. असाधारण नेतृत्व-क्षमता का परिचय देते हुए आपने हैदराबाद में भारतीय प्रायद्वीप का पहला आत्म-निर्भर, उद्देश्य के प्रति समर्पित एवं विशाल स्तर के चिकित्सा केन्द्र (स्तन रोगों के लिए किम्स-उषालक्ष्मी केन्द्र) की स्थापना (2007) की। यह जानकर कि भारत में स्तन कैंसर में अधिक मृत्यु दर के पीछे जागरूकता का अभाव तथा एक संगठित स्तन कैंसर जांच कार्यक्रम की कमी है, आपने उषालक्ष्मी स्तन कैंसर फाउंडेशन की स्थापना की। समय के साथ-साथ यह फाउंडेशन अनेक नवोन्मेषी पहलों के माध्यम से एक मिशन के तहत पूरे भारत वर्ष में महिलाओं को 'स्तन जागरूकता' की महत्ता के प्रति जागरूक कर रहा है। इसका एकमात्र उद्देश्य है कि स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान सुनिश्चित हो सके और अधिक जानें बचाई जा सकें। वर्तमान में यू बी एफ, भारत में अपनी तरह की एक अनूठी पहल के रूप में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बड़े पैमाने पर जनसंख्या आधारित स्तन कैंसर जांच कार्यक्रम क्रियान्वित कर रहा है।

4. भारत में स्तन शल्य-चिकित्सा के मानकों को बेहतर बनाने के लिए आपने एसोशिएशन ऑव ब्रेस्ट सर्जन्स ऑव इंडिया (ए बी एस आई) को स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाई है, जो स्तन रोगों से पीड़ित रोगियों का उपचार कर रहे पूरे भारत के शल्य-चिकित्सकों का प्रतिनिधि संगठन है। आपको सर्वसम्मति से ए बी एस आई का अध्यक्ष (2015-2017) चुना गया है। आपके अनेक लेख पत्रिकाओं में तथा शल्य-चिकित्सा संबंधी पाठ्यक्रमों के अध्यायों में प्रकाशित हुए हैं। भारत में एफ आर सी एस और एम आर सी एस परीक्षाओं के लिए शल्य-चिकित्कों की तैयारी में सहायता करने के लिए आपने वर्ष 2000 से रायल कॉलिज ऑव सर्जन्स ऑव एडिनबर्ग के तत्वाधान में दस ओवरसीज़ पाठ्यक्रमों तथा वर्ष 2008, 2010 और 2012 में हैदराबाद में इंटरकालिजिएट एम आर सी एस परीक्षा का आयोजन किया है।

5. आपको वर्ष 2010 में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा विशिष्ट उगाडी पुरस्कार (राज्य पुरस्कार) प्रदान किया था। वर्ष 2013 में रायल कॉलिज ऑव सर्जन्स ऑव एडिनबर्ग ने आपको ओवरसीज़ गोल्ड मेडल से सम्मानित किया, जो रॉयल कॉलिज द्वारा यू के से बाहर प्रैक्टिस करने वाले शल्य-चिकित्सकों को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। रॉयल कॉलिज ऑव सर्जन्स ऑव एडिनबर्ग के 508 वर्ष के इतिहास में इतने बड़े सम्मान को पाने वाले आप सबसे कम आयु के व्यक्ति हैं।